

संक्षिप्त

समाचार

तृतीय दिन

मां चंद्रघंटा

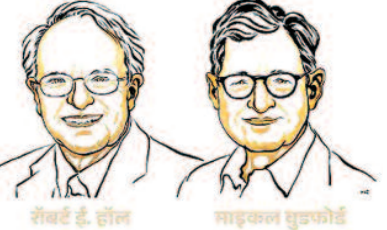


मां चंद्रघंटा के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित रहता है। वे साहस, शौर्य और दृढ़ शक्तियों के विनाश का प्रतीक हैं। सिंह पर सवार देवी की आराधना से भय और नकारात्मकता दूर होने की मान्यता है। भक्त सुख, शांति और निर्भय जीवन के लिए इनकी पूजा करते हैं।

2026 का इकोनॉमिक्स नोबेल 2 अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को

- रॉबर्ट हॉल और माइकल वुडफोर्ड ने बताया मंदी और महंगाई से कैसे निपटें

स्टाकहोम (एजेंसी)। 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को को इसकी घोषणा की। दोनों को यह सम्मान अर्थव्यवस्था में मंदी और तेजी के उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आर्थिक नीतियों के नए आधार विकसित करने पर दिया जाएगा। उनकी रिसर्च से समझने में मदद मिली



कि आम लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले पूरी अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करते हैं। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनार यानी 11.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि बराबर मिलेगी। 1970 के दशक में आर्थिक संकट के दौरान नए मॉडल की जरूरत पड़ी अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड किन्स ने करीब 100 साल पहले सुझाव दिया था कि मंदी के समय सरकार को खर्च बढ़ाना चाहिए और केंद्रीय बैंक को ब्याज दरें घटानी चाहिए। इससे कारोबार और लोगों के खर्च को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं, महंगाई बहुत बढ़ने पर ब्याज दरें बढ़ाकर और खर्च पर लगाम लगाकर मांग कम की जा सकती है। लेकिन 1970 के दशक में तेल संकट के दौरान पश्चिमी देशों में महंगाई और बेरोजगारी एक साथ बढ़ गई। आर्थिक विकास भी धीमा पड़ गया।

जंतर-मंतर पर अब नहीं होंगे प्रदर्शन, 33 साल बाद बदलाव
सीजेपी ने यहीं 36 दिन धरना दिया था, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से 33 साल बाद हटा दिया है। गृह मंत्रालय ने एक कमेटी बनाई थी। इसकी सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। कॉंक्रोच जनता पार्टी ने सीसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की



मांग को लेकर सोमवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमेशीशन मांगी थी। पुलिस ने परमेशीशन देने से इनकार कर दिया। इससे पहले सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक नीट पेपर लोक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। गृह मंत्रालय ने कमेटी बनाई थी- गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद इन तीनों स्थानों को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है।

भारत सरकार लिखी गाड़ी, तीन वॉकी-टॉकी और आर्मी यूनिफॉर्म

पश्चिम बंगाल में रौब के साथ घूम रहा था फर्जी कर्नल, गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद पुलिस ने एक नकली आर्मी अफसर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से कई इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद हुए हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह घटना मुर्शिदाबाद के नवाग्राम पुलिस स्टेशन इलाके में हुई, जहां इस नकली अफसर को पकड़ा गया।



आरोपी सागर दीधी का रहने वाला है। आरोपी तरुण दास के पास से भारत सरकार का स्टिकर लगी एक गाड़ी, तीन वॉकी-टॉकी, मोबाइल फोन मिले हैं।

विंग अफसर बनकर लोगों को डसाता धमकाता था आरोपी

पुलिस के मुताबिक, आरोपी आर्मी लेफ्टिनेंट कर्नल और मिलिट्री इंटेलीजेंस विंग का अफसर बनकर लोगों को डराता-धमकाता था। वह आर्मी की वर्दी पहनता था और नकली पहचान पत्र का इस्तेमाल करता था। उस पर नौकरी दिलाने के बहाने लोगों से पैसे ठगने के आरोप लगे हैं। इंटेलीजेंस टीम कई दिनों से नजर रख रही थी।

मेघालय बॉर्डर से

देश में घुसे 18 बांग्लादेशी

- ट्रेन में सवार होने का मिला इनपुट, जांच हुई शुरू
- बिहार और यूपी समेत कई राज्यों में अलर्ट जारी

शिलांग (एजेंसी)। उत्तर पूर्व का राज्य मेघालय सामरिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश की सीमा मेघालय से मिलती है। मेघालय के डाउकी बॉर्डर के बाद बांग्लादेश का सिलहट जिला शुरू हो जाता है। खुफिया इनपुट मिली है कि मेघालय सीमा पार कर 18 सदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिये भारत में घुसे और अब अन्य राज्यों में फैलने की कोशिश कर रहे हैं। खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की।



इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को शेट एडवाइजरी जारी की है। घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से घुसे हैं।

- प्राकृतिक सौंदर्य से भरा लाइटलूम- शिलांग से करीब 25 किलोमीटर दूर एक बहुत ही मनोरम स्थान है, लाइटलूम कैन्यन। लाइटलूम कैन्यन मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में आता है। पूर्वी खासी हिल्स जिले का मुख्यालय शिलांग ही है जो राज्य की राजधानी भी है। लाइटलूम- खासी भाषा के दो शब्दों से बना है, लाइट और लूम। लाइट का मतलब के अंत और लूम का मतलब है पहाड़ी।

गुवाहाटी से अमरनाथ एक्सप्रेस पकड़ने की सूचना

खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की। इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को शेट एडवाइजरी जारी की है। इनपुट के मुताबिक इन 18 बांग्लादेशी घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से और 8 मौसिमराम (मेघालय) सीमा से मेघालय पहुंचे थे। सूचना के मुताबिक मेघालय के मौसिमराम सीमा से भारत में घुसे 8 बांग्लादेशी घुसपैठिये गुवाहाटी पहुंचे और वहां से जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस में सवार हो गए। इनके खिलाफ जांच अभियान चलने के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है।

महाराष्ट्र पीएससी पेपर लीक की जांच के लिए बनी कमेटी

- तुकाराम मुढे सेक्रेटरी नियुक्त, चेयरमैन छुट्टी पर भेजे गए



रविवार को एक कमेटी बनाई। इसमें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुढे को सदस्य सचिव बनाया गया है।

इसके बाद कैंडिडेट्स ने 10 दिन से चल रहा प्रदर्शन खत्म कर दिया। राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने पुणे में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को कमेटी बनाने की जानकारी दी। कमेटी के अध्यक्ष पूर्व जज दिलीप भोसले होंगे। इसमें आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी गौतम शामिल हैं।

पीएससी के अध्यक्ष जांच पूरी होने तक छुट्टी पर गए

मंत्री ने प्रदर्शनकारियों की अन्य मांगों भी पूरी करने का भरोसा दिया। इनमें आंदोलन से जुड़े कुछ लोगों पर दर्ज केस वापस लेना, तीन साल में 70 हजार पदों पर भर्ती करना, जनवरी में होने वाली ग्रुप-सी परीक्षा में सीटें बढ़ाना और पीएससी के अध्यक्ष व सचिव की नियुक्ति से पहले उनके बैकग्राउंड की जांच करना शामिल है। इसके बाद भीमनगर ने छुट्टी पर जाने का ऐलान किया।

आईआईटी बॉम्बे ने बनाया, केरलम में शुरुआत, इससे बिजली बिल में 30 फीसदी की कमी आई
देश में पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली सप्लाई होगी



सभी उपकरणों का लोड उठाया और प्रोफेसर के बिजली बिल में करीब 30 फीसदी की कमी भी आई। आईआईटी बॉम्बे ने देश में पहली बार यह प्रोजेक्ट बनाया।

ईवी से घर में बिजली देने पर बैटरी लाइफ पर असर नहीं पड़ा

आईआईटी बॉम्बे ग्रिड इंटीग्रेशन लैब के प्रो जाकिर हुसैन राथर ने कहा कि ईवी से घर की लाइट लगातार सप्लाई के बाद भी बैटरी लाइफ पर खास फर्क नहीं पड़ा। बैटरी लाइफ को एसओएच से मापते हैं। नई बैटरी का एसओएच 100 फीसदी होता है। दो साल बाद एसओएच में 1.5 फीसदी की ही गिरावट आई। प्रो. जाकिर और उनकी टीम ने इस पर और रिसर्च की और बाकी शोध में भी इसकी पुष्टि हुई। भारत में ईवी अभी वी2जी के हिसाब से तैयार नहीं की जा रही है। इसकी वजह रेगुलेशन न होना है। पायलट प्रोजेक्ट के लिए आईआईटी ने केरलम में ईवी की जानकारी जुटाई है। उन गाड़ियों को वी2जी के हिसाब से अनलॉक करेंगे। इसमें कुछ चीजें जोड़नी पड़ेंगी, जिसे संस्थान डेवलप कर रहा है। एक ओर देश में लोग ईवी खरीद रहे हैं, दूसरी ओर सोलर पैनल का चलन भी बढ़ा है।

‘वोट चोरी’ के आरोप पर राहुल का पैदल मार्च

- विपक्षी गठबंधन का मिला साथ, सुप्रीम कोर्ट तक गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर में गड़बड़ी के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पार्टी बनाया गया है। इससे पहले विपक्ष के नेताओं ने बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। करीब एक किमी लंबे मार्च में विपक्ष के नेता बस में, पैदल और वाहन में सवार हुए। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया था



और याचिका दाखिल करने के लिए कहा था। दरअसल, विपक्षी दल कथित वोट चोरी, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और सीईसी की भूमिका को लेकर पिछले कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मार्च के लिए विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बाराखंबा रोड के निकट एकत्र होना था, जहां से वे उच्चतम न्यायालय की ओर बढ़ें। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मार्च के पहले पत्रकारों से कहा कि वह और इंडिया गठबंधन के अन्य नेता उच्चतम न्यायालय जाएंगे तथा ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा, आज हम और इंडिया गठबंधन के नेता उच्चतम न्यायालय जाएंगे और याचिका दायर करेंगे। जो प्रतिरोध चल रहा है, वह एक दिन की बात नहीं है।

48 घंटे में लौटा दो कटा सिर, नागा सिविल सोसायटी का अल्टीमेटम

- मणिपुर में हिंसा का नया दौर, तीन दिनों से तीन जिलों में भारी बवाल, नौ लोगों की हत्या



इम्फाल (एजेंसी)। कुकी बहुल इलाके में एक महिला की हत्या के बाद मणिपुर में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। कांगपोकपी समेत कई जिलों में नागा और कुकी के हथियारबंद गुटों के बीच संघर्ष जारी है। रविवार रात मणिपुर के ट्राइब्स काउंसिल और नागा सिविल सोसाइटी संगठन ने 52 साल के अजिनबो आर का कटा सिर

वापस लाने की मांग करते हुए सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। शनिवार को उग्रवादियों ने कांगपोकपी जिले के माकुई अशांग गांव में रहने वाले अजिनबो आर की हत्या कर दी थी और उसका सिर काटकर ले गए। इस साल फरवरी से कुकी और नागा जनजातियों के बीच हुई हिंसा में 50 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार

सीएम सम्राट बोले- अब 2500 बेड पर मरीजों का इलाज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएमसीएच में अब एक साथ 2,500 बेड पर मरीजों का आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इलाज होगा। सरकार का उद्देश्य अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त आधुनिक चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के बाद नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के पंजीकरण, उपचार व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों

की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सभी सुविधाओं का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। **कियोस्क और काउंटर की व्यवस्था का जायजा-** निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने टावर-3 के भूतल पर ओपीडी मरीजों के पंजीकरण के लिए बनाए गए कियोस्क और काउंटर की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अल्थाहार गृह सहित मरीजों और उनके परिवारों की सुविधा के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर-22 का भी निरीक्षण

उन्होंने छठे तल पर स्थित मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर-22 का भी निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न शल्य चिकित्सा कक्षों और स्त्री रोग से संबंधित ऑपरेशन थिएटर में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रथम तल पर स्थित रेडियोलॉजी विभाग का जायजा लेते हुए चिकित्सा सेवाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। सम्राट चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि मरीजों के उपचार में किसी तरह की बाधा नहीं आए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, सुविधाओं के रखरखाव और मरीजों एवं उनके परिवारजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही, पुनर्विकास योजना की बात की।

सीजेपी का दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

- कहा-प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉंक्रोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तरीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे।

सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने हिरासत का वीडियो एडिट करके जारी किया है। उन्होंने कहा-



हिम्मत है तो पूरा वीडियो दिखाओ। दीपके के मुताबिक, दादी की मौत की खबर सुनने के बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई से बात करने देने की अपील की। दो मिन्ट के लिए फोन देने के लिए भी कहा लेकिन पुलिस ने इजाजत नहीं दी। दीपके,

रांका और दास को शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। वे जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे थे। रविवार को कार्यकारी मिनिस्ट्र के सामने पेशी के बाद तीनों को रिहा किया।

खंडवा के जर्रे- जर्रे में धड़कता है यारों का यार किशोर कुमार

(लेखक – सुनील कुमार गुप्ता /ईएमएस)

–इस बार का किशोर कुमार अलंकरण रघुवीर यादव को

(13 अक्टूबर को पुण्यतिथि पर विशेष)

खंडवा। एक ऐसी शख्सियत, जो गायक अच्छा है या इंसान अच्छा है ; यह देखना हो या जिंदगी की फिलॉसफी सीखना हो या किसी एक शख्स के प्रति पूरे शहर की दीवानगी को महसूस करना हो, तो एक बार खंडवा जरूर आइए। फ़िल्मी दुनिया के अप्रतिम गायक किशोर कुमार के शहर खंडवा में आने पर आप यह सोजने को मजबूर हो जाएंगे कि किशोर कुमार खंडवा को ज्यादा प्यार करते थे या खंडवा वाले उन्हें ज्यादा प्यार करते हैं। यहां का हर शख्स खुद को किशोर कुमार जैसा देखता है। एक ऐसा व्यक्तित्व जो खुद अपने आप में मस्तमौला जिंदगी की, रिश्तों की बंदगी की पाटशाला है। ऐसा ही है यारों के यार किशोर कुमार का खंडवा शहर, जहां उनके गीत, किस्से– कहानियां जर्रे–जर्रे में बसे हुए मिलते हैं। उन्हीं दोस्तों, उसी दीवानगी और उन्हीं कहानियां को हमने भी खंडवा पहुंचकर तलाशने की कोशिश की। कल मंगलवार 13 अक्टूबर को उनकी पुण्यतिथि है और इस मौके पर फिल्म अभिनेता, सिंगर रघुवीर यादव को संस्कृति विभाग की ओर से उनके स्मारक स्थल पर आयोजित एक समारोह किशोर कुमार अलंकरण सम्मान दिया जा रहा है। कल पूरा खंडवा किशोरमय होने जा रहा है। जगह–जगह उनकी स्मृति में समारोह आयोजित किए जा रहे है।

मेरा कुछ अरसा पहले खंडवा जाना हुआ था। आप खंडवा जाएं और किशोर कुमार को भूल जाएं, ऐसा हो नहीं सकता। ऐसा ही कुछ मेरे साथ भी हुआ। खंडवा रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते ही आधा किलोमीटर की दूरी बॉम्बे बाजार में किशोर कुमार का पुरतैनी घर है। वो घर तो बिक गया, लेकिन प्रॉपर्टी के विवाद के चलते उनके भाई अमर कुमार के बेटे अर्जुन कुमार के पास है। ये मकान बटवारे में उनके हिस्से में आया था और वर्तमान में भी बहुत ही जर्जर हालत में है। किशोर कुमार यहीं 4 अगस्त 1929 में पैदा हुए थे, पले, पड़े, बड़े, गढ़े और

दोस्त बनाए और फिर अपने बड़े भाई दिग्गज कलाकार दादामुनि यानी अशोक कुमार के नवशे कदम पर चलने के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। वक्त के साथ फ़िल्मी दुनिया के सबसे बड़े गायक बन गए, जिसने 18000 से ज्यादा गाने गाए और 8 राष्ट्रीय फिल्म फेयर अवार्ड जीते। इतना बड़ा स्टार जब अपनी जन्मस्थली खंडवा आता था, तो अपने भीतर के सितारा सिंगर को मुंबई छोड़कर मस्तमौला व्यक्ति की तरह आता। अपने दोस्तों से मिलता, घूमता–फिरता, गाता और सबसे बेलाग बात करता, दूध जलेबी खाता, पान खाता, हंसी–टिटोली करता। लोग कहते कि अरे किशोर तुम एक बड़े सिंगर हो, तो किशोर दा कहते, वह मैं मुंबई में हूं, अभी तो मैं खंडवे वाला हूं और फिर जोरदार ठहाका लगाकर हंस देते। दोस्तों की फरमाइश पर तुरंत गाना बनावकर सुना देते।

‘दूध-जलेबी खाएंगे, खंडवा में बस जाएंगे

खंडवा के बॉम्बे बाजार में ‘लालाजी जलेबी वाले’ की दुकान सिर्फ इसलिए मशहूर हो गई कि वह अपने जिगरी दोस्त हीरालाल शर्मा (लालाजी) की इसी दुकान पर बचपन से दूध जलेबी खाया करते थे। उनके घर की खिड़की से जलेबी की दुकान दिखती थी। जलेबी बनते ही वह खाने के लिए आ धमकते। बाद में भी मुंबई से खंडवा आते, तो लालाजी की दुकान पर दूध–जलेबी जरूर खाने जाते। अब हीरालाल शर्मा तो इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन इस पुरतैनी दुकान को उनकी तीसरी पीढ़ी संभाल रही है। जो रोज़ खुदह दुकान खोलते के बाद वहां दीवार पर लगी किशोर कुमार की फोटो पर दूध–जलेबी को भोग लगाकर, दीप जलाकर व्यवसाय शुरू करते हैं। दुकान संभालने वाले स्व। हीरालाल जी के प्रपौत्र बादल शर्मा कहते हैं कि आज हम जो कुछ भी हैं, बरसों से जिनका दिया खा रहे हैं, वो किशोर दा ही तो हैं। हमें गर्व होता है कि किशोर दा खंडवा के हैं, वे हमारे दादाजी के दोस्त थे और हमारे यहां ही दूध–जलेबी खाते थे। उन्हीं का आशीर्वाद है जो दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक भीड़ लगी रहती है। किशोर दा ने लालाजी की दूध–जलेबी को लेकर एक गीत भी गाते थे कि ‘दूध जलेबी खाएंगे खंडवा में बस जाएंगे’।

यारों के यार किशोर कुमार

खंडवा में किशोर कुमार के दो और जिगरी दोस्त हुआ करते थे, बाबू रंगरेज, जो बॉम्बे बाजार में ही एक पेड़ के नीचे कपड़ा रंगाई का काम करते थे और दूसरे थे रमणीक भाई मेहता। बाबू रंगरेज भी अब नहीं हैं। किशोर दा के जबर्दस्त प्रशंसक मनोज दुबे ने बाबू रंगरेज से किशोर दा की दोस्ती और निमिष भंसाली व उनके भाई नीतीश भंसाली ने उन्हें लेकर एक बहुत ही रोचक किस्सा सुनाया। एक बार किशोर दा खंडवा में प्रोगाम करने आए, तो वह कार्यक्रम शुरू करने से पहले इस बात पर अड़ गए कि पहले मेरे दोस्त बाबू रंगरेज को लाओ, तब मैं गाना सुनाऊंगा। दूढ़ने पर एक पेड़ के नीचे कपड़ा रंगते बाबू रंगरेज मिल गए। वे उस समय गीले और कपड़ों पर रंग लगी हालत में थे, उन्हें वैसे ही ले आया गया। तब किशोर कुमार ने उनका हाथ पकड़ा और मंच पर ले गए। इसके बाद उनका हाथ पकड़कर सारे गाने किशोर कुमार ने गाए। ऐसे थे यारों के यार किशोर कुमार।

किशोर कुमार का खंडवा से प्यार

निमिष व नीतीश भंसाली ने किशोर दा की जिंदगी को जैसे अपने जीवन में उतार लिया है। निमिष किशोर दा की बातें करते समय उनके गीत गाते नहीं थकते। वह बताते हैं कि अपनी जन्मभूमि और शहर के लोगों से उनका किताा प्रेम था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है। किशोर कुमार दा यहां जितने भी प्रोगाम देते उसकी शुरुआत वो ऐसे गाकर करते थे।

फ़यारे बंधुओं, संगीत प्रेमियों, मेरे काका काकियों, मेरे मामा–मामियों, मेरे भैया–भाभियों, मेरे बच्चों–बच्चियों, आप सबको किशोर कुमार खंडवे वाले का। सप्रेम नमस्कार, मैं जो यहां आया हूं आप सबका प्यार है, दुलार है, सत्कार है, ज्यादा वक्त ना लेते हुए ये किशोर कुमार खंडवेवाला गाने को तैयार है। हाा हााऊ फ़

अद्भुत फिलॉसफी

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।। यानी मित्र, धन, धान्य आदि का संसार में बहुत सम्मान है, किन्तु माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर है। इन पंक्तियों को सार्थक किया किशोर कुमार ने, जिनकी

परिवर्तन की नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां

(लेखक- राज कुमार सिन्हा)

परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, मां और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है।परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर –मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों,जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खाका तैयार किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान संभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने कमजोर समझे जाने वाले मुहावरों को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थापित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवये ने व्यवस्था के एक अलग पहलु को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वदी पुरुष ने पहनी हो या महिला ने। जंतर –मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचिता या चुनाव आयोग की जवाबदेही का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं।

दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेड़ा हुआ है जेन जी के पेपर लीक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह असंतोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मेक्रों सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कूल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्दर्न ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। जिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वेलैजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंची और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरीना कारामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक–राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यु्थ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिनमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के लिए तालिबान जैसे क्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करने वाली युसुफजई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति–निर्धारकों को प्रभावित करती हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ फ्राइडेज फॉर एयूवर आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर

कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष–प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर –मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर –मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लीक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रही, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।यह केवल महिला सशक्तिकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लीक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या संविधान की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है।

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञा का अर्थ उस नीति–निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास–विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक–विशादद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवन्ति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय–सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वहीं है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के

लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्णा भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों–चाटुकारों के चप्रवृह में फंस्कर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोदियां बिटाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन लानि और विवृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?



दा कि जन्मदिन 4 अगस्त और पुण्यतिथि 13 अक्टूबर को स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, होली, दीपावली राष्ट्रीय पर्वों जैसा माहौल होता है। इस दिन अगर आपको खंडवा में जगह–जगह लाउडस्पीकर लगे मिलेंगे, जिन पर किशोर कुमार के गाने बज रहे होंगे। चाहे जितनी बारिश हो रही हो, लोग–नाचते गाते मिलेंगे। उदाहरण के तौर पर चार सक्नी वाले होंगे तो आपस में चंदा कर लाउडस्पीकर लगा लेंगे और किशोर कुमार के गाने बजाने लगेगे, खुद गाने लगेगे। जन्मदिन पर लहू बांटेंगे। इस दिन खंडवा में उनके स्मारक और सभागृह में बड़े कार्यक्रम होते हैं। श्रष्ट गायकों को सरकार की ओर से किशोर कुमार सम्मान प्रदान किया जाता है। निमिष भंसाली ने बताया कि इस बार किशोर कुमार अलंकरण फिल्म अभिनेता, बृहत्तरीन लोकगायक रघुवीर यादव को दिया जा रहा है। यह खंडवा वालों का किशोर दा के प्रति प्रेम है। ये प्रेम है जो किशोर दा ने लोगों को दिया और लोगों में किशोर दा को दिया। 13 अक्टूबर को उनकी पुण्यतिथि पर भी ऐसे ही कई कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें याद किया जाता है। (यह लेखक के व्यक्‍तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ‍ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

सख्ती पर सवाल

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की सख्ती के उपरांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून–व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है। कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह–जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांतिपूर्ण ढंग से एकाग्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आजावाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट–परिसर के आस–पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक–अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सके। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए। यह एक हकीकत है कि देश के लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का भरोसा विश्वसनीय जवाबों, खुली व निष्पक्ष जांच और संस्थागत आजादी पर ही निर्भर करता है। वहीं एक मजबूत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को लेकर संशय नहीं होना चाहिए। जरूरी है कि वह असंतुष्ट लोगों की शिकायतों को सुनें, असहमति का सम्मान करते हुए कानून–व्यवस्था बनाये रखें और अदालत के निर्देशों का सम्मान करें। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने एक महत्वपूर्ण सीमा–रेखा खींची है। इसी आलोक में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश की राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों में संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता का अतिक्रमण न हो। हालांकि, सीजेपी व विपक्ष के तैवरों को देखते हुए यह करना आसान भी नहीं होगा।

राजधानी दिल्ली में आर-पार की जंग, न्यायपालिका कसौटी पर

(लेखक– सनत जैन)

भारत की राजधानी दिल्ली जंग का मैदान बन गई है। इस जंग में विपक्षी राजनीतिक दलों के साथ–साथ कॉकरोच, वकील, पत्रकार और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होते जा रहे हैं। कुछ दिन पहले तक इस बात का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता था, इतनी जल्दी इतनी तेजी के साथ इस तरह की जंग के हालात बनेंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में सत्ता की लड़ाई मानी जा सकती है, लेकिन आम आदमी, अधिवक्ता, पत्रकार, युवा और बच्चे यदि इस लड़ाई में शामिल हो रहे हैं, तो यह समझना होगा कि कहीं कोई ना कोई बात तो है, जो इतने बड़े पैमाने पर लोग सड़कों पर अकर अपने अस्तित्व के लिये यह लड़ाई लड़ रहे हैं। रामायण में गोस्वामी तुलसीदास जी ने स्पष्ट रूप से लिखा है, समरथ को नहीं दोष गुसाईं, होई वही जो राम रचि राखा। राजधानी दिल्ली में जिस तरह के हालात बने हुए

हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जिस तरह से संवैधानिक संस्थाएं सरकार के पक्ष में आकर खड़ी हो गई हैं। यह सरकार की समर्थता है। सरकार को दोष भी नहीं दिया जा सकता है। ऐसी स्थिति में अब लोग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर एकजुट हो रहे हैं। यदि यह कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

संवैधानिक संस्थाओं के प्रमुख पदों पर जो लोग बैठे हैं, उनके बारे में एक धारणा बन गई है, वह सब एक विचारधारा के लोग हैं। जिन्हें सुनियोजित रूप से प्रमुख पदों पर बिठाया गया है। यहां तक कि स्कूल–कॉलेज, विश्वविद्यालयों में भी जो नियुक्तियां पिछले वर्षों में की गई हैं, वह भी एक विचारधारा के लोगों की हैं। अब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की बार में भी यह चर्चा होने लगी है। भारतीय अधिवक्ता परिषद से जुड़े एक विचारधारा के लोग है। उन्हें ही सरकारी वकील और जजों के रूप में नियुक्त किया गया है। पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका भी सरकार को बचाने का काम कर रही है। जितनी भी

जांच एजेंसियां हैं, संवैधानिक पदों पर बैठे हुए अधिकारी हैं, वह सब सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। सत्ता पक्ष के लिये अलग और विपक्ष के लिये अलग नियम–कानून हैं। लोगों को कहीं से भी न्याय मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। जिसके कारण अब सड़कों पर जंग की स्थिति देखने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, उसके बाद एसआईआर, चुनाव के पूर्व एवं चुनाव के दौरान जो भी मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में गए हैं, उन सब मामलों में न्यायपालिका ने सरकार को प्रत्यक्ष रूप से फेवर किया है। तारीख पर तारीख बढ़ाकर मामले को टाल दिया गया, सरकार जो चाहती थी, वह उसने कर लिया, संविधान और कानून का कोई पालन नहीं हुआ। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट द्वारा जो भी आदेश पारित किए गए, उसमें सरकार के लिए एक चोर दरवाजा खोल दिया गया। इस चोर दरवाजे से सरकार बाहर निकलकर वह सब काम करती है, जो वह करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने रविवार के

दिन विशेष सुनवाई की, उसके पहले भी जो सुनवाई की थी और सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिया था, उसका पालन दिल्ली पुलिस ने नहीं किया। हर आदेश में सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट कानून व्यवस्था के नाम पर अथवा आधा अधूरा फैसला देकर सरकार के लिए रास्ता छोड़ देती है। इसका दुरुपयोग सरकार और उसकी एजेंसियां कर रही हैं। हाल ही में जिस तरह से वकीलों, पत्रकारों को दिल्ली में अरेस्ट किया गया, उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी ट्रेन बंद कर दी गई। मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए। 4 किलोमीटर क्षेत्र दिल्ली में प्रतिबंध लगाया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में बैरिकेड लगा दिए, प्रदर्शनकारियों को दौड़ा–दौड़ा कर मारा गया। दिल्ली पुलिस द्वारा अवैध तरीके से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिये गए लोगों को कई घंटे तक बसों में घुमाया गया। उन्हें मल–मूत्र त्यागने की भी सुविधा नहीं दी गई। हिरासत में जो हजारों लोग

बंद थे, उन्हें खाना–पानी भी नहीं दिया गया। यह स्थिति पहली बार दिल्ली में देखने को मिली। दिल्ली में 35 हजार से ज्यादा अर्ध सैनिक बलों को तैनात किया गया है, जिसके कारण अब लोगों में सरकार के खिलाफ विद्रोह देखने को मिला रहा है। जिन लोगों को कोई मतलब नहीं था, वह भी नाराज होकर सड़कों पर निकल रहे हैं। न्यायपालिका और सरकार को खटाव अब वकील और बार से भी आवाज आने लगी है। सारे विपक्षी नेता राष्ट्रपति सहित हर दरवाजे को खटखटाकर आ गए हैं। अब अंतिम दरवाजा न्यायपालिका का है। सुप्रीमकोर्ट में याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है, मुख्य न्यायाधीश ने नेता प्रतिपक्ष और विपक्षी सांसदों से मिलने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से जिस तरह के फैसले आ रहे हैं। उससे आम जनता को न्याय मिलता हुआ दिख नहीं रहा है। सुप्रीम कोर्ट जो आदेश देती है, उसका पालन ना तो दिल्ली पुलिस कर रही है, नाही केंद्र सरकार कर रही है।

महंगे सीरम को कहें अलविदा, घर पर बनाएं असरदार विटामिन सी सीरम, मिलेगी दमकती त्वचा



अगर आप भी रोजाना रात में स्किन केयर करना नहीं भूलती हैं और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई प्रयास करती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि महिलाएं अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह-तरह के प्रोडक्ट्स फेस पर लगाती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे विटामिन सी सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल आप रोजाना रात में सोने से पहले कर सकती हैं।

अगर आप इस खास सीरम को लगाती हैं, तो इससे मार्केट के महंगे सीरम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आप कम पैसे में इस सीरम को बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि घर पर रहकर विटामिन सी सीरम कैसे बनाया जा सकता है।

होममेड विटामिन सी सीरम

ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप घर पर एक खास विटामिन सी सीरम तैयार करना चाहती हैं, तो आप कम पैसे में इसको बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका भी काफी आसान है और इसको बनाने के लिए कुछ खास सामग्री की जरूरत होगी।

सामग्री

गुलाब जल
विटामिन सी पाउडर
विटामिन ई कैप्सूल
एलोवेरा जेल
ग्लिसरीन

ऐसे बनाएं विटामिन सी सीरम

आप घर पर आसानी से यह खास सीरम बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका बेहद आसान है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में विटामिन सी पाउडर ले लें। अब इसमें गुलाब जल, एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन को डालकर अच्छे से मक्स कर लें। अब इसमें विटामिन सी कैप्सूल की कुछ बूंदें डालकर इस सीरम को अच्छे से मक्स कर लें। इस आसान तरीके से आपका होममेड सीरम बनकर तैयार हो गया है।

आप रोजाना रात में सोने से पहले इस सीरम को अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। आप 15 दिन तक इस सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो रोजाना रात में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर सप्ताह में 3-4 बार भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। आप जब भी इसको फेस पर अप्लाई करें, तो पहले साफ पानी से चेहरे को धो लें और फिर फेस के सूखने के बाद इस सीरम को फेस पर लगाएं। इसको आप फेस के साथ-साथ गर्दन पर भी लगा सकती हैं।

रेस्तरां स्टाइल में हम सभी टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं, लेकिन कहीं न कहीं मिस्टेक जरूर हो जाती है। अपने खाने को टेस्टी बनाने के लिए छोटे-छोटे टिप्स एंड ट्रिक्स पर ध्यान देना काफी जरूरी है। घर में चाहे कितना भा टेस्टी खाना बना लें, लेकिन बच्चे फिर कभी निकाल देते हैं। ऐसे में हर महिलाओं को इन टिप्स का जरूर पता होना चाहिए। अगर आप मेवों की मदद से सब्जी में इस्तेमाल करके लाजवाब खाना बना सकते हैं। मेवे सब्जियों के स्वाद को दोगुना कर देते हैं। यह सब्जी में स्वाद तो बढ़ा ही देते हैं और यह काफी हेल्दी भी होती है। आइए आपको बताते हैं मेवे से सब्जी की क्रीम को गाढ़ा और क्रीमी से बनाएं।

मेवे से सब्जी को गाढ़ा और क्रीमी कैसे बनाएं

– इसके लिए आप काजू या बादाम को गर्म पानी में 30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब इसे पानी से निकालकर थोड़ा दूध या पानी डालकर एक चिकना पेस्ट बना लें। फिर आप इसे सब्जी की ग्रेवी में डालें। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी, क्रीमी और

सर्दी-जुकाम से राहत के लिए अपनाएं दादी-नानी का नुस्खा, बेसन का शीरा देगा तुरंत आराम।

बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम की शिकायत हो जाती है। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण खांसी-जुकाम की समस्याएं बन जाती हैं। यदि आपके बच्चे को मौसम के बदलने से सर्दी-जुकाम से परेशान हो गए हैं, तो इसे दवाओं की जगह आप एक बार बेसन का शीरा बनाकर जरूर पिएं। यह एक ट्रेडिशनल पंजाबी रेसिपी है, जो मौसम बदलने के बाद बच्चों की इम्युनिटी को बूस्ट करती है। बीमारी से लड़ने में मदद करती है। बेसन शीरा स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए काफ़ी बढ़िया है। इसके सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या जल्द ठीक हो जाती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाया जाता है टेस्टी और हेल्दी बेसन का शीरा।

बेसन का शीरा बनाने के लिए सामग्री

– 3 बड़े चम्मच बेसन

- 1 बड़ा चम्मच देसी घी
- 2 छोटी चम्मच चीनी/गुड़
- डेढ़ कप दूध
- कुटी हुई इलायची
- 1/4 छोटी चम्मच अजवाइन
- कटे हुए बादाम
- कुटी हुई काली मिर्च
- हरा धनिया
- 1 चुटकी हल्दी

बेसन का शीरा बनाने का तरीका

बेसन का शीरा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कड़ाही लें और गैस पर चढ़ाकर गर्म करें। अब इसमें घी डालें और बेसन को लो प्लेम पर भूने जब तक इसका रंग हल्का भूरा ना हो जाए। बेसन को अच्छे से भून जाने के बाद इसमें खुशबू आने लगेगी।

यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरे या कड़ाही में डालिए और उस पर 2-3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है। थोड़ा पानी और भाप उसे चिपचिपा किए बिना दोबारा नरम बना देते हैं।

थोड़ा तेल या घी डालकर दोबारा गरम करें

एक पैन में 1 चम्मच तेल या घी गरम करें। चाहे तो उसमें थोड़े साईं के दाने, करी पत्ता या एक चुटकी हल्दी डालें। अब उसमें बासी पोहा डालकर 1-2 मिनट तक चलाइए। जब आप पोहे को हल्का सा भूनते हैं तो इससे पोहे की खुशबू और स्वाद दोनों ताजा हो जाते हैं। तेल हर दाने को कोट कर देता है जिससे पोहा दोबारा चिपकता नहीं है।

आजमाएं माइक्रोवेव ट्रिक

अगर आपके पास समय कम हो तो माइक्रोवेव की इस ट्रिक को भी आजमाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पोहे पर थोड़ा पानी छिड़कें, फिर उस पर गीला टिशू पेपर या माइक्रोवेव ढक्कन रखकर 30-40 सेकंड के लिए गरम करें। गीला टिशू भाप को अंदर रोकता है, जिससे पोहा बराबर गरम होता है और सूखता नहीं है।



किचन के इन 3 मसालों से पाएं मुंह की बदबू से छुटकारा, बनाएं नेचुरल माउथवॉश!

हर भारतीय के किचन में पाए जाने वाले ये मसाले केवल खाना का स्वाद ही नहीं, मुंह की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर भागा देते हैं। आपकी रसोई में रखें इन 3 मसालों से तैयार करें नैचुरल माउथवॉश। मुंह की दुर्गंध, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरिया संक्रमण की समस्या से परेशान हो गए हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे तो बाजार में कई सारे माउथवॉश मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल और अल्कोहल की मात्रा होती है। यह अस्थायी ताजदी तो पहुंचता है लेकिन लंबे समय तक दांतों और मसूड़ों को नुकसान भी पहुंचता है। इसी कारण आप अपने घर पर ही इन 3 मसालों से नैचुरल माउथवॉश बना सकते हैं। लौंग, चक्र फूल और दालचीनी से बना यह घरेलू माउथवॉश आपके लिए बेहद ही

फायदेमंद होगा। यह माउथवॉश आपके मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करता है। आइए आपको बताते हैं इसे कैसे बनाएं।
माउथवॉश बनाने की विधि
सामग्री
– 4-5 लौंग
– 2 चक्र फूल
– 1 दालचीनी का टुकड़ा
– 1 कप पानी
इसे बनाने का तरीका
– सबसे पहले आप एक पैन में पानी डालें। फिर इसमें लौंग, दालचीनी और चक्र फूल को डालें।
– फिर आप इसे 7-8 मिनट तक उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक इसका रंग हल्का

भूरा न लग जाए।
– जब यह पानी ठंडा हो जाए, तो इसे कांच की बोतल में भरकर रख दें।
– इसे घरेलू माउथवॉश से आप दिन में 1 या 2 बार कुल्ला जरूर करें।
घरेलू माउथवॉश इस्तेमाल करने के फायदे
– मुंह की दुर्गंध दूर करता है और सांसों को लंबे समय तक तरोताजा रखता है।
– इसमें एंटीबैक्टीरियल के गुण होते हैं, जो कि मुंह में बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।
– मसूड़ों की सूजन को कम करता है और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाता है।
– यह एक प्रकार से 100% प्राकृतिक और केमिकल-फ्री जो दांतों के एनामेल को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

बासी पोहा हो गया सख्त तो अपनाइए ये आसान नुस्खा, मिलेगा वही पुराने जैसा स्वाद

नाश्ते में पोहा खाना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। सुबह अक्सर चाय के साथ पोहा खाने में एक अलग ही मजा आता है। लेकिन पोहा केवल तभी अच्छा लगता है, जब उसे बनाकर गरमा-गरम सर्व किया जाए। अगर उसे बाद में खाया जाता है तो वह थोड़ा सख्त और सूखा-सूखा महसूस होता है। इतना ही नहीं, उसका वो टेक्सचर भी गायब हो जाता है, जिसकी वजह से उसे खाने का मन ही नहीं करता है। हालांकि, अगर आप ऐसे में उसे फेंकने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिए। अगर आप चाहें तो थोड़ा सा जादू करने पर बासी पोहा को फिर से नरम, टेस्टी और फ्रेश बना

सकते हैं।

वास्तव में, पोहा उन आसान डिशेज में से है, जिसे अगर सही ट्रिक से दोबारा गरम किया जाए तो उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही पहले जैसा हो जाता है। तब आपको उसे खाने समय ऐसा महसूस होता है, जैसा कि इसे अभी-अभी गरमागरम बनाया गया हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बासी पोहे को फिर से टेस्टी बनाने में मदद करेंगे—

थोड़ा पानी छिड़कें



इटली के सिसिली में दो बवंडरों का कहर, कई घायल; स्कूल और मकान क्षतिग्रस्त

रोम, एजेंसी। इटली के सिसिली द्वीप के पश्चिमी हिस्से में आए दो शक्तिशाली बवंडरों ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कई लोग घायल हो गए, कई मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा तथा एक स्कूल की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शुक्रवार देर शाम आई इस आपदा में 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 70 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई गई है। इटली की न्यूज एजेंसी एएनएसए की रिपोर्ट के अनुसार, बवंडर ने पश्चिमी सिसिली के तटीय शहर मासाला और आसपास के इलाकों को प्रभावित किया। समुद्र के ऊपर बने बवंडर तट की ओर बढ़े और फिर रिहायशी इलाकों में पहुंचकर तबाही मचाने लगे। तेज हवाओं के कारण कारें पलट गईं, इमारतों की खिड़कियां टूट गईं, और कई जगहों पर मलबा बिखर गया। मासाला के एक स्कूल को भी भारी नुकसान पहुंचा। घटना के समय वहां 273 बच्चे मौजूद थे। स्कूल प्रशासन और कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हालांकि, घटना में छह बच्चों को मामूली चोट आई।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में गोलीबारी, संदिग्ध समेत नौ लोगों की मौत

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारीयां साझा नहीं की हैं। एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा। इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शाफिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिलहाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

तूफान की चपेट में आने से अमेरिका में चार लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के कुछ इलाकों में इसासय तूफान का कहर दिख रहा है। फ्लोरिडा पैनहैडल के किनारे बने होटलों और कॉन्डोमिनियम की छतों को प्रचंड हवाओं के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा है। शनिवार को (स्थानीय समय) तूफान उत्तर की ओर बढ़ गया, जिसके कारण दक्षिणपूर्व में मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर अचानक बाढ़ और बवंडर का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक तूफान से कम से कम चार लोगों की मौत हुई है जिनमें फ्लोरिडा और अलाबामा में घरों पर पड़े गिरने से मारे गए दो लोग भी शामिल हैं। लगभग 7 लाख उपभोक्ताओं के घरों में बिजली गुल है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बाढ़ दक्षिणी अपालाचियन पर्वतमाला तक फैल सकती है। गौरतलब है कि इसासय का लैंडफॉल शुक्रवार को फ्लोरिडा के डेस्टिन के पास हुआ, जब श्रेणी 2 का यह तूफान तट से टकराया। डेस्टिन खाड़ी तटीय इलाके में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऊंची इमारतों और पर्यटकों को लुभाने वाली दुकानों से भरे इलाके में खतरा बना हुआ है। फ्लोरिडा के गवर्नर जॉन डेसेंटिस के मुताबिक रात भर में तूफान कमजोर पड़ा है। अब ये उष्णकटिबंधीय चक्रवात की श्रेणी में है लेकिन अभी भी ‘बाढ़ का खतरा बहुत अधिक है। **रूस की लेब में कर्मचारी की मौत का कारण अब तक स्पष्ट नहीं, डब्ल्यूएचओ ने जांच जारी रखने को कहा**

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को कहा कि रूस की एक प्रयोगशाला में काम करने वाले युवक की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। यह लेब प्लेग और दूसरी बीमारियों पर काम करती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, शुक्रआती रिपोर्टों में मौत की वजह न्यूमोनिक प्लेग होने की आशंका जताई गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। यह बीमारी फेफड़ों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है।

तेज बहाव के साथ नीचे आया। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है।

आज अहले सुबह नेपाल के गोरखा जिले में फिर से भयानक बाढ़ देखने को मिली। यहां की बूढ़ी गंडक नदी में आई अचानक बाढ़ ने एक बार फिर से तबाही मचाई है। बूढ़ी गंडक नदी के बाढ़ में नेपाल को जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। इस बार बाढ़ के साथ मिट्टी, पत्थर एवं भारी भरकम पेड़ बहकर आया

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को फिर हमला हुआ। धमाके में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में 4 सऊदी, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, फिलिस्तीन, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट खाली कराया गया और उड़ानें रोक दी गईं। बीते 24 घंटे में एयरपोर्ट की कम से कम 225 उड़ानें रद्द हुईं। रियाद एयरपोर्ट पर बीते 20 दिन में यह चौथा हमला है। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि हमले के पीछे हूतियों के हाथ होने का शक है। हूतियों ने इस हमत्ते अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में उड़ानें चलाने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच लड़ाई तेज**:** यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के समर्थन वाली सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सऊदी अरब अपने लड़ाकू विमानों से हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है, जबकि यमन की सरकारी सेना यमनी पर आगे बढ़ रही है। इसका मकसद लाल सागर के पास हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को

यूएस में गोलीबारी: पेंसिल्वेनिया में नौ, जॉर्जिया में पांच लोगों की मौत; पुलिस बोली- 28 साल में पहली ऐसी घटना

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक स्थानीय अधिकारियों, पुलिस के आला अफसरों में किसी ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारीयां साझा नहीं की हैं।

28 साल से अधिक के करियर में ऐसी घटना नहीं**:** पीटीआई पर आई रिपोर्ट के मुताबिक एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा।

अमेरिका के किस कोने का मामला, गवर्नर ने हर संभव मदद की पेशकश की**:** इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शाफिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की



वापस लेना और बाब-अल-मदेब स्ट्रेट पर उनका दबदबा कम करना है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के व्यापार और तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है। हालिया सैन्य कार्रवाई के जवाब में हूतियों ने भी सऊदी अरब के एयरपोर्ट, तेल ठिकानों और सैन्य अड्डों को निशाना बनाने का दावा किया है। इससे दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

हमले के बाद ट्रम्प बोले- मैं **खुश नहीं****:** सऊदी अरब ने अपने एयरपोर्ट, सैन्य ठिकानों और तेल से जुड़ी जगहों पर हमलों के बीच अमेरिका और दूसरे सहयोगी देशों से मदद मांगी है। अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका की मदद में खुफिया जानकारी साझा करना, हमले के लिए ठिकानों की पहचान करना और सैन्य योजना बनाने में सहयोग देना शामिल है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से रियाद एयरपोर्ट पर

पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिलहाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबि मरने वालों में दो बच्चे और एक गर्भवती महिला भी शामिल है। अधिकारियों के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही सभी नौ लोगों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के वारदात की जानकारी ‘शॉटस्पॉट’ के जरिए अलर्ट से मिली। रिपोर्ट के मुताबिक यह एक विवादित डिटेक्शन सिस्टम है जो संभावित गोलीबारी की पहचान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और माइक्रोफोन के नेटवर्क का इस्तेमाल करता है। पुलिस प्रमुख रिक लोराह के मुताबिक इस घटना में जान-माल के से वे बेहद दुखी हैं। पुलिस जैसे हालात का सामना कर रही है, वह बहुत परेशान करने वाली है। घटना के पीछे की वजह अभी तक पता नहीं चली है।

ट्रम्प बोले- अटलांटिक या पैसिफिक का नाम ‘ट्रम्प ओशन’ रखेंगे



‘गल्फ ऑफ अमेरिका’ कर दिया था। इस फैसले के बाद मेक्सिको के साथ कूटनीतिक तनाव बढ़ गया था। इस नाम को लेकर ट्रम्प प्रशासन और अमेरिकी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एफ) के बीच भी विवाद हुआ। क़ने इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में एजेंसी की पहुंच को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी।

लेक ओंटारियो को भी ‘लेक अमेरिका’ किया**:** इस साल अगस्त में ट्रम्प ने अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के बीच स्थित लेक ओंटारियो का नाम बदलकर ‘लेक अमेरिका’ कर दिया था। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, यह फैसला कनाडा के नेताओं के साथ व्यापार और टैरिफ को लेकर चल रहे तनाव के बीच आया था। न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलने का भी सुझाव दिया ट्रम्प ने अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलकर ‘न्यू अमेरिका’ रखने का सुझाव भी दिया था। पिछले महीने उन्होंने यह विचार सामने रखा था। हालांकि, बाव में उन्होंने कहा कि इस बारे में फैसला राज्य के लोगों को ही करना होगा। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, न्यू मेक्सिको में रिपब्लिकन पार्टी के एक उम्मीदवार के समर्थन में वीडियो संदेश में ट्रम्प ने कहा था, ‘मैं इस पर जोर नहीं

दूंगा, लेकिन बहुत से लोगों को यह नाम काफी पसंद है।’ क्या अमेरिका अकेले नाम बदल सकता है? अमेरिकी सरकार अपने आधिकारिक दस्तावेजों, सरकारी नक्शों और रिकॉर्ड में किसी जगह के लिए नया नाम इस्तेमाल करने का फैसला कर सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे देश भी उस नाम को स्वीकार करने के लिए बाध्य होंगे। अटंलॉटिक और पैसिफिक ओशन नॉर्थ से साउथ अमेरिका तक फैला हुआ है। इसलिए यह ओशन कई देशों से जुड़ा है। इसलिए अगर अमेरिकी सरकार अपने दस्तावेजों में इसे ‘ट्रम्प ओशन’ कहना शुरू भी कर दे, तो भी दूसरे देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अमेरिकी नाम को अपने आप अपनाने के लिए बाध्य नहीं होंगी। यानी नाम बदलने से महासागर का मौलिकाना हक नहीं बदल जाएगा। नया नाम इस्तेमाल करने से यह अमेरिकी क्षेत्र नहीं बन जाएगा।

कहा गया, क्योंकि चुमानुबरी रूरल म्युनिसिपैलिटी-6 से नदी में भारी बाढ़ आने की आशंका थी।

अर्थांरिटी के बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने सुबह 6:40 बजे अलर्ट जारी किया।

इसमें लोगों से कहा गया कि वे त्रिशूली दोभान तक नदी के पास न जाएं और बाढ़ का पानी उतरते तक ऊंचे स्थानों पर रहें। चेतावनी में लोगों से सावधानी बरतने और नदी के किनारे के उन इलाकों से दूर रहने को कहा गया, जहां जलस्तर बढ़ने से खतरा हो सकता है। अर्थांरिटी ने सोशल मीडिया पर यह अलर्ट जारी कर इलाके के निवासियों और अन्य लोगों को बाढ़ के संभावित खतरे से आगाह किया।

नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अर्थांरिटी ने रिविगरको बाढ़ की चेतावनी जारी की। इसमें लोगों से बूढ़ी गंडकी नदी से दूर रहने को

कैप्टनस्मितकीनईतस्वीरआईसामने

अबू धाबी , एजेंसी। अबू धाबी के अस्पताल में इलाज करा रहे मच्छर की नई तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में वह इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हजोंग का पत्र पढ़ते नजर आ रहे हैं। उनकी बहादुरी से प्रभावित राष्ट्रपति हजोंग ने उन्हें इस्त्राइल के सर्वोच्च नागरिक वीरता सम्मान से सम्मानित करने का एलान किया है। मच्छर को भेजे अपने पत्र में हजोंग ने कहा है कि स्मित के पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें यरूशलम बुलाकर यह सम्मान दिया जाएगा। 30 सितंबर को फ्लाईट्दुबई की उड़ान में हुए खौफनाक घटनाक्रम के दौरान स्मित ने जिस हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया, उससे विमान में सवार 180 लोगों की जान बच गई।

अस्पताल में इलाज के बीच मिला राष्ट्रपति का खास संदेश**:** इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हजोंग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्मित मच्छर की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने संदेश में भारतीय पायलट को सोशल साइंस कर कैप्टन स्मित मच्छर की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने संदेश में भारतीय पायलट को इस्त्राइल, भारत और पूरी मानवता का हीरो बताया। हजोंग ने कहा कि उन्होंने स्मित को भेजे पत्र में उनके जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि स्मित के ठीक होने और दोबारा ताकत हासिल करने के बाद यरूशलम में उनका स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। हजोंग ने लिखा, ‘कैप्टन स्मित मच्छर, आप इस्त्राइल, भारत और पूरी मानवता के हीरो हैं।’ उन्होंने आगे कहा कि वह स्मित से मिलकर उन्हें इस्त्राइल के नागरिक वीरता के

सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने के लिए उसुक है।

राष्ट्रपति के पत्र में छलका स्मित की बहादुरी के लिए सम्मान**:** 4 अक्टूबर को लिखे अपने पत्र में राष्ट्रपति हजोंग ने कैप्टन स्मित के साहस, हैसले और विमान को सुरक्षित रखने के उनके प्रयासों की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह की स्थिति से पायलट को गुजरना पड़ा, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। विमान के कॉकपिट में जान का खतरा सामने होने और गंभीर दर्द से जुझने के बावजूद स्मित ने अपना धैर्य बनाए रखा और सही फैसले लिए। हजोंग ने पत्र में लिखा कि घटनाक्रम किसी रोमांचक फिल्म जैसा लगता है, लेकिन उस समय कॉकपिट में मौजूद लोगों ने किस डर और तनाव का सामना किया होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

ऐसे हालात में खुद को संभालना, जान पर मंडराते खतरे का मुकाबला करना और समझदारी से काम लेना स्मित के मजबूत चरित्र और अदम्य साहस को दिखाता है। राष्ट्रपति हजोंग ने कैप्टन स्मित की बहादुरी की तुलना एक सदी से भी पहले पवित्र भूमि के शहरों को आजाद कराने के लिए लड़ने वाले भारतीय सैनिकों के साहस से की। उन्होंने कहा कि उन भारतीय सैनिकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर इतिहास रचा था और इस्त्राइल के इतिहास में हमेशा के लिए अपनी जगह बनाई थी। हजोंग के मुताबिक, कैप्टन स्मित ने भी अपनी बहादुरी से इस्त्राइल के लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है।

पाकिस्तान में ईसाई शरक्स पर ईशनिंदा का आरोप, घर-फार्मेसी फूंकी; डर से भागे 35 परिवार



35 से ज्यादा ईसाई परिवारों ने छोड़े घर**:** पुलिस अधिकारी जुबेर अब्बास के मुताबिक, इस घटना के बाद 35 से ज्यादा ईसाई परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े। घटना की सूचना मिलने पर सीनियर अफसरों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हालात को काबू में किया। इस मामले में पुलिस ने कामरान गुल मसीह के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-ए के तहत केस दर्ज किया है। यह धारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने से जुड़े मामलों में लगाई जाती है। प्राथमिकी यानी खट्ठक के मुताबिक, पुलिस शिकायतकर्ता रईस अहमद ने बताया कि वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कामरान गुल मसीह ने फेसबुक पर एक वीडियो

साझा किया है। आरोप है कि यह वीडियो एक दिन पहले जॉन शाकी नाम के यूजर ने अपलोड किया था। खट्ठक के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने वीडियो को अपने मोबाइल फोन पर डाउनलोड किया। इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में उसे स्क़ डाइव में ट्रांसफर किया गया और सील करके जब्त कर लिया गया।

वीडियो के स्क्रीनशॉट भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने मसीह के खिलाफ दर्ज मामले के अलावा घर और फार्मेसी में तोड़फोड़ करने तथा आग लगाने के आरोपियों के खिलाफ भी अलग खट्ठकदर्ज की है। इस मामले में 5 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें इलाके के ईसाई समुदाय में डर पैदा कर दिया।

कनाडा की संप्रभुता को चुनौती दे रहा खालिस्तानी अलगवावाद, रिपोर्ट में चेतावनी

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में अलगवावाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। चेतावनी भरे अंदाज में कहा गया है कि देश दूसरे देशों की संप्रभुता को नकाराने वाले आंदोलनों को जगह देकर अपनी संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकता। रिपोर्ट के अनुसार,

कनाडा सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति को आजादी और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा करते हुए भी अलगवावादी एजेंडे को वैधता देने से बच सकता है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए आतंकवादी संगठनों के खिलाफ घोषित प्रतिबंधों को लागू करना, एयर इंडिया विमान बम विस्फोट के दोषियों का महामामंडन करने वाले समूहों को मंच देने से इनकार करना और किसी विदेशी जनमत संग्रह को कनाडा के परिपंज से जुड़े मतदान के साथ एक जैसी राजनीतिक अहमियत नहीं देना जरूरी है।

कुछ विज्ञापनों को भी उल्लेख करते हुए आगे कहा गया, ‘कनाडा के अलबर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को इस सवाल पर मतदान की तैयारी है कि क्या प्रांत की स्वतंत्रता के लिए बाध्यकारी जनमत संग्रह कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।’ इसी बीच, एयरइंडी के आसपास के विज्ञापन 18 अक्टूबर को एडमंटन में प्रस्तावित ‘पंजाब की स्वतंत्रता पर अलबर्टा जनमत संग्रह’ की ओर ध्यान आकर्षित करा रहे हैं।

रिपोर्ट में इन विज्ञापनों के पीछे अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन ‘सिख्स फॉर जस्टिस’ (एसएफजे) का हाथ बताया गया है। इसमें कहा गया है कि इस संगठन ने



सार्वजनिक रूप से अलबर्टा के कैलगरी शहर में खालिस्तान समर्थक रैली को ‘पंजाब जनमत संग्रह और अलबर्टा की स्वतंत्रता’, दोनों अभियानों के लिए मंच के रूप में पेश किया है। संगठन ने अलबर्टा के लोगों को आत्मनिर्णय के अधिकार का इस्तेमाल करने देने के लिए कनाडा सरकार की भी सराहना की है। अलबर्टा की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले एक वक्ता ने खालिस्तान समर्थक रैली में कहा कि इस आयोजन से उन्हें अपने अभियान के लिए प्रेरणा मिलती है। रिपोर्ट में दोनों आयोजनों की तारीखों के बीच एक दिन का अंतर होने को जानबूझकर अपनाई गई रणनीति बताया गया है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया, ‘एसएफजे के जनमत संग्रह अनौपचारिक और गैर-बाध्यकारी हैं तथा भारत सरकार के लिए उनका कोई कानूनी महत्व नहीं है। कनाडा के लिए इनके राजनीतिक और सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। यह आंदोलन पिछले चार दशकों से कनाडा की सड़कों और गुरुद्वारों का इस्तेमाल करते हुए भारत के क्षेत्र से जुड़े अलगवावादी दावे को आगे बढ़ाता रहा है। अब अलबर्टा में कनाडा की एकता से जुड़े महत्वपूर्ण मतदान के साथ इस मुद्दे को जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

ठाकरे बंधुओं समेत 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने शिवाजी पार्क में बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन करने के मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माता सेना (मनसे) नेता अमित ठाकरे और 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है। इस मामले में विधायक वरुण सरदेसाई, महेश सावंत, अनिल परब, सुनील प्रभु और मनसे नेता संदीप देशपांडे समेत कई पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। पुलिस ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति प्रदर्शन किया और आम लोगों को परेशानी हुई। आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे पर प्रदर्शनकारियों को ले जा रही पुलिस दैन रोकने तथा सरकार की काम में बाधा डालने का आरोप भी है। पुलिस ने संबंधित नेताओं को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजे हैं। इस घटनाक्रम के बाद आदित्य ठाकरे ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता की साड़ी फट गई। आदित्य ने मुंबई के लोगों से शिवाजी पार्क पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आसमानी बिजली गिरने से युवक की मौत, दो घायल

माधोपुर/पटानकोट (एजेंसी)। पंजाब के पटानकोट जिले में माधोपुर-शाहपुरकंडी सड़क पर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास खेतों में काम कर रहे मजदूरों पर आसमानी बिजली गिरने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसा देर शाम हुआ। जानकारी के अनुसार, अलग-अलग राज्यों से आए मजदूर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आसमानी बिजली गिरने से तीन युवक उसकी चपेट में आ गए। हादसे में विशाल (21) की मौके पर ही मौत हो गई। वह उत्तर प्रदेश के उरई जिले के अवधाना का निवासी था। घायलों की पहचान जितेंद्र उर्फ जितन (19), निवासी शाहपुरकंडी, और गगन (17), निवासी जुगियाल कौलीनी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद मजदूरों में शोक का माहौल है।

कांग्रेस सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर बांसुरी स्वराज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में विपक्ष के मार्च के बीच भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजाम के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाकर कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने सांसद पर लगे कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देकर राहुल गांधी और कांग्रेस के महिला अधिकारों से जुड़े बयानों पर सवाल खड़े किए। बीजेपी सांसद स्वराज ने कहा कि कांग्रेस 'लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ' जैसे कैपेन चलाती है, लेकिन जेएनयू के 11 छात्रों की शिकायतों पर पार्टी की ओर से अभी तक आवाज नहीं उठाई गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या छात्रों की आवाज कांग्रेस के लिए केवल राजनीतिक कार्यक्रमों तक सीमित है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की पितृसत्ता को नष्ट करो' संबंधी टिप्पणी का जिक्र कर कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात केवल नारों और सोशल मीडिया हैशटैग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनके मुताबिक, जब जवाबदेही की बात आती है, तब कांग्रेस का रवैया अलग दिखाता है। भाजपा सांसद स्वराज ने दावा किया कि वर्ष 2024 में 11 छात्रों ने कांग्रेस नेता अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम (पोशा) के तहत आंतरिक समिति गठित की गई थी। उन्होंने अकोइजाम के खिलाफ विश्वविद्यालय की कार्रवाई की भी उल्लेख किया। बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

मेरा बाप सब संभाल लेगा कहकर कुचल दिये तीन छात्र, मौत

कोचि (एजेंसी)। केरल के नेदंबसेरी में हुए एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे ने न सिर्फ तीन मासूम छात्रों की जान ले ली, बल्कि बेलगाम रसूख और संवेदनहीन लापरवाही का एक चौकाने वाला चेहरा भी उजागर कर दिया है। कोचि के पास हुए इस हादसे में एक तेज रफ़तामि मिनी कूपर ने दोपहिया वाहन पर सवार तीन छात्रों की टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद, आरोपी ड्राइवर के कथित बेखौफ़ गुरुर ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। चश्मदीद सलीम ने इस दर्दनाक मंजर को बयां करते हुए पेपर नेताओं टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोग दहल गए और तुरंत घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। सलीम के मुताबिक, जब एक्सीडेंट हुआ, तो मैं पास में ही खड़ा था। जोर की आवाज आई, और हम सब यह देखने के लिए मौके पर दौड़े कि कुछ हुआ तो नहीं। सड़क पर तीन लोग घायल हो गए थे।

राहुल पर चुप्पी साधकर मोदी संग मेट्रो में सफर करते रहे सीएम विजय

- तमिलनाडु में टीवीके की अनूठी राजनीति

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपनी राजनीति को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जुड़े राजनीतिक विवादों से लगातार दूर रखा है। हाल ही में दिल्ली में राहुल गांधी की हिरासत को लेकर विपक्षी दलों के तीव्र विरोध के बावजूद, उनकी चुप्पी ने ध्यान आकर्षित किया। इस घटना के महज दो दिन बाद, मुख्यमंत्री विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मेट्रो में सफर करते और मंदिर दर्शन करते नजर आए, जो उनकी संतुलित राजनीतिक रणनीति का स्पष्ट संकेत है।दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च के दौरान राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस पर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ ताखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, लेकिन तमिलनाडु में साप्ताहारी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी होने के बावजूद, मुख्यमंत्री विजय ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को चेन्नई दौरे पर थे। मुख्यमंत्री विजय ने एयरपोर्ट पर पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दिलचस्प



बात यह है कि इससे ठीक एक दिन पहले, राहुल गांधी भी चेन्नई पहुंचे थे और मुख्यमंत्री विजय ने अपने आवास पर उनका स्वागत व दोपहर के भोजन का आयोजन किया था। 24 घंटे के भीतर ही प्रधानमंत्री मोदी का चेन्नई पहुंचना और मुख्यमंत्री विजय द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत करना, कई राजनीतिक कयासों को जन्म दे गया।मेट्रो प्रोजेक्ट के उद्घाटन के बाद, दोनों नेता आईआईटी मद्रास उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दिलचस्प

शुक्रवार को राहुल गांधी के चेन्नई पहुंचने पर भी मुख्यमंत्री विजय का कार्यक्रम शुरू में स्पष्ट नहीं था। यह भी पता नहीं था कि राहुल गांधी का उनके साथ दोपहर का भोजन होगा या नहीं। कांग्रेस के हलकों में भी यह माना गया कि यदि मुख्यमंत्री विजय स्वयं आगे नहीं बढ़ते, तो उन पर दबाव डालना उचित नहीं होगा। अंततः, विजय ने राहुल गांधी को अपने घर पर आमंत्रित किया और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। इस पूरे घटनाक्रम पर जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री विजय अनावश्यक राजनीतिक बयानबाजी या विवाद में पड़े अपना काम करना चाहते हैं। उनका उद्देश्य राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से बेहतर तालमेल बनाए रखना है, साथ ही अपनी सरकार को स्थिर रखने के लिए गठबंधन सहयोगियों के साथ भी सामंजस्य स्थापित करना है। इसी कारण विजय ने न तो राहुल गांधी को अनदेखी की और न ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने से इनकार किया, बल्कि दोनों के साथ एक संतुलन बनाए रखा।

बीजेपी पंचायत चुनाव में भी प्रशासन-पुलिस का दुरुपयोग दोहराएगी: अशोक गहलोत



जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। गहलोत ने चेतावनी दी कि बीजेपी चुनावों में 'पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग दोहराएगी।' राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 22 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चार चरणों में होने वाले हैं। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि शहरी निकाय चुनावों की तरह बीजेपी पंचायती राज चुनावों में भी प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग निश्चित रूप से दोहराएगी। हमें लोगों को साथ लेकर इस बेईमानी का मुकाबला करना होगा। उन्होंने दावा किया कि अनियमितताओं के बावजूद कांग्रेस ने शहरी निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया और उसे बीजेपी के

करीब बराबर वोट मिले। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ग्रामीण इलाकों में मजबूत रही है और इसलिए पार्टी चुनाव जीतेगी। गहलोत ने कहा कि ये चुनाव पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। यह हम सभी की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधियों से फोन पर बात भी कर रहा हूं और कई साधियों से पहले ही बात कर चुका हूं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांवों का दौरा करने, लोगों के बीच रहने और बीजेपी की उन गतिविधियों को उजागर करने का आग्रह किया, जिन्हें उन्होंने अलोकतांत्रिक बताया। गहलोत ने कहा कि जब लोग हमारे साथ होते हैं, तो कोई भी प्रशासन या पुलिस उनसे उन्का जनादेश नहीं छीन सकती।

मंत्री आठवले बोले- प्रधान का इस्तीफा ले लिया, ज्ञानेश को छोड़ो

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन न करने की सलाह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को दी है। उन्होंने सीजेपी से छात्रों से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन करने का आग्रह किया, वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप भी लगाया। एक बयान में आठवले ने कहा कि सीजेपी को ज्ञानेश कुमार के मामले में पड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि सीजेपी का गठन नीट तरीका में हुए पेपर लीक के विरोध में हुआ था और उनकी मांगें, जिनमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल था, पूरी हो चुकी हैं। आठवले ने जोर दिया कि सीजेपी को छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा नीति, परीक्षा प्रणाली और इससे संबंधित अन्य कारणों पर आंदोलन करना चाहिए, न कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि जिन 13 करोड़ वोटों को काटा गया है, उनमें से 6 करोड़ ऐसे मतदाता हैं



जिनका स्थानांतरण हुआ है, यानी वे नौकरी या व्यवसाय के लिए एक जगह से दूसरी जगह गए हैं। उन्होंने बताया कि 1 करोड़ मतदाताओं के नाम दो जगहों पर थे, जिनमें से एक नाम हटाया गया, जबकि लगभग 3 करोड़ लोग लापता थे। आठवले ने जोर देकर कहा कि यह वोट चोरी नहीं है। राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी बयानों पर भी आठवले ने सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी अपने चुनाव क्षेत्र में अपनी पार्टी के सीटों की संख्या बढ़ने पर उसे वोट चोरी कहेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को सत्ता मिली थी, तब क्या वे भी वोट चोरी करते थे? आठवले ने चुनाव आयुक्त के

इस्तीफे की मांग को बेबुनियाद बताया हुए विपक्ष पर जानबूझकर अराजकता को निर्माण देने और लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। यह पहली बार नहीं है जब आठवले ने सीजेपी को चेताया हो। 3 अक्टूबर को भी उन्होंने सीजेपी के अभिजीत दीपके को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री केशूबजी के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी बंद करने की चेतावनी दी थी। इस बीच, राजधानी दिल्ली में बड़े विरोध प्रदर्शनों की आशंका है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का ऐलान किया है और देशभर से कार्यकर्ताओं को दिल्ली बुलाया है।

ध्रुव राठी बोले- मेरा सीजेपी से कोई संबंध नहीं, ज्ञानेश के खिलाफ प्रदर्शन में हुए थे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से अपना कोई रिश्ता होने से इनकार किया है, जबकि वह देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उसके आंदोलन में शामिल हुए। विदेश में रहकर भारतीय राजनीति और सरकार की आलोचना के लिए जाने जाने वाले राठी ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इस प्रदर्शन में शामिल होने आए थे, उनका सीजेपी से किसी तरह का जुड़ाव नहीं है। मिलियन यूट्यूबर पर करीब 40 मिलियन सम्बन्धित बने ध्रुव राठी को सीजेपी नेताओं अभिजीत दीपके और सीधू दास का दोस्त बताया जाता है। नीट पेर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर विपक्ष से अधिक लोगों के शामिल हुए सीजेपी के पहले आंदोलन के दौरान

भी वह अक्सर अभिजीत दीपके के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत करते हुए दिखते थे। अब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन में उन्होंने खुद भी शामिल होने का फैसला किया। बंगलुरु में 8 अक्टूबर को आयोजित प्रदर्शन से ठीक पहले भारत आए ध्रुव राठी ने उस दिन मंच से भाषण भी दिया और मेराल इटेंसिव रिवीज (एसआईआर) के जरिए वोट चोरी के आरोप लगाए। राठी 10 अक्टूबर को सीजेपी की ओर से दिल्ली में घोषित प्रदर्शन में भी हिस्सा लेना चाहते थे। वह इसके लिए दिल्ली पहुंच भी गए थे। शुक्रवार शाम वह इंडिया गेट गए और वहां से एक वीडियो बनाकर प्रदर्शन में शामिल से अधिक लोगों के शामिल होने की अपील की। 10 अक्टूबर को

अभिजीत दीपके को सुबह ही उनके गुरुग्राम स्थित घर से हिरासत में ले लिया गया। उसी दिन ध्रुव राठी को भी दिल्ली में हिरासत में ले लिया गया। 20 से अधिक घंटे तक हिरासत में रहने के बाद छोड़े गए ध्रुव राठी ने बाद में आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें घसीटकर बेडरूम से ले गई और इस दौरान उन्हें चोटें भी आईं। ध्रुव राठी भले ही पहले धर्मेन्द्र प्रधान और अब ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर सीजेपी के साथ खड़े दिख रहे हैं, लेकिन उन्होंने सीजेपी से किसी तरह के जुड़ाव या रिश्ते से इनकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सीजेपी में कोई पद नहीं रखते हैं। राठी ने अपनी भूमिका साफ करते हुए कहा, मैं यहां व्यक्तिगत तौर पर आया हूं। मैं ऐसा नहीं कि सीजेपी से

कोई जुड़ा हूं या कुछ (पदाधिकारी) हूं। मैं व्यक्तिगत क्षमता से आया हूं, जैसे देश में लाखों लोग प्रोटेस्ट कर रहे हैं, उन्हीं की तरह। राठी ने कहा कि वह खासतौर पर इस प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए ही भारत आए हैं। राठी ने कहा, इलेक्शन कमीशन न्यूट्रल होना चाहिए। वोट चोरी बहुत गंभीर मुद्दा है, इसके बिना लोकतंत्र का अस्तित्व नहीं हो सकता है। अगर वोट इस तरह चुराए जा रहे तो यह लोकतांत्रिक देश नहीं है। यह डिक्टेटरशिप की ओर बहुत ज़्यादा नीचे गिर चुका है। मैंने हमेशा कहा है कि यह स्वेकटम है। यह मत कहो कि 100 पर्सेंट डिक्टेटरशिप है या 100 पर्सेंट डेमोक्रेसी है। 2014 में हम जहां थे वहां से (डिक्टेटरशिप के) बहुत करीब आते जा रहे हैं।

अमृतसर एयरपोर्ट पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि, उड़ानें प्रभावित

- तीन उड़ानें डायवर्ट, कुछ देर रोका गया रनवे ऑपरेशन

अमृतसर (एजेंसी)। रविवार देर रात पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा कार्रवाी से तीन उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा, जिसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9-30 बजे एयरपोर्ट पर तेनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने अत्यधिक ऊंचाई पर उड़ती दो-तीन अज्ञात वस्तुओं को देखा। इनकी गतिविधि संदिग्ध लगने पर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचित किया गया, जिसके बाद एहतियाती तौर पर हवाई यातायात को अस्थायी रूप से प्रभावित किया गया। संदिग्ध ड्रोन गतिविधि के चलते अमृतसर आने वाली तीन उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। इनमें दिल्ली से आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई-855 को वापस दिल्ली, मुंबई से आ रही इंडिगो की उड़ान 6ई-5028 को चंडीगढ़, और कुआलालंपुर से आ रही मलेेशिया एयरलाइंस की उड़ान एएमएच-118 को दिल्ली डायवर्ट किया गया। सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा और आवश्यक जांच के बाद हवाई अड्डे का संचालन सामान्य कर दिया गया। अधिकारी अब इन ड्रोन जैसी दिखने वाली वस्तुओं की प्रकृति और उनकी गतिविधियों की जांच कर रहे हैं। अगरस्त में भी इसी तरह की घटना के बाद एक बार फिर एयरपोर्ट की सुरक्षा और हवाई यातायात को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

भाजपा के कश्यप ने की अखिलेश से मुलाकात, यूपी में गरमा गई सियासत

- बरेली में मुख्यमंत्री के दौरे से पहले राजनीतिक भूचाल

बरेली, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गहमागहमी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली के दौरे पर आ रहे हैं, लेकिन इससे ठीक पहले जिले का राजनीतिक समीकरण बदल गया है। आंवला से लगातार दो बार सांसद रहे और पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे धर्मेन्द्र कश्यप ने भाजपा से इस्तीफा देकर रविवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात कर बड़ा सियासी दांव चला है।

धर्मेन्द्र कश्यप ने अपनी बेटी कीर्ति के साथ अखिलेश से मुलाकात की और उसके लिए बिथरी चैनपुर सीट पर दावा भी ठेक कर दिया। उनके इस कदम से समाजवादी पार्टी में भी हलचल मच गई है, क्योंकि सपा के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह यादव अपने बेटे डॉ. देवेंद्र यादव के लिए इसी सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे। इस आंतरिक खींचतान को देखते हुए अखिलेश यादव से वीरपाल को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की है।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली में करीब साढ़े तीन घंटे रहे। इस दौरान वे बरेली और मुरादाबाद मंडल के नौ जिलों के करीब पांच हजार ग्राम प्रहरियों से संवाद कर उन्हें सम्मानित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बरेली क्लब मैदान में बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद सीट से भाजपा प्रत्याशी हरि सिंह द्विक्खे के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं,

जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत और सभा स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था शामिल है। धर्मेन्द्र कश्यप के पिछले कुछ दिनों में उठाए गए कदमों से जिले में राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। भाजपा से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी का रुख किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात के बाद पार्टी में उनके शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है। इसके विधिवत घोषणा 27 अक्टूबर को

लखनऊ में एक कार्यक्रम में की जाएगी, जहां वे अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल होंगे। धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को बिथरी चैनपुर सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा पहले ही जता चुके हैं, और उनकी अखिलेश यादव से मुलाकात को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। बरेली की सियासत में हलचल उस वक्त और तेज हो गई, जब सपा के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह यादव को आंवला विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। माना जा रहा है कि वीरपाल अपने बेटे डॉ. देवेंद्र यादव के लिए बिथरी चैनपुर सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे, लेकिन इसी सीट पर धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए ही सपा प्रमुख ने वीरपाल सिंह यादव और पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की। चर्चा के बाद वीरपाल को आंवला की जिम्मेदारी सौंप दी गई, जिसे उनकी राजनीतिक भूमिका के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

राहुल गांधी के आरोपों पर शिवराज का पलटवार, अराजकता फैलाकर सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस

- कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कटपुतली

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि पार्टी सत्ता हासिल करने के लिए देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने में जुटी है। उन्होंने कांग्रेस को गुंडों का समूह बताकर कहा कि पार्टी सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर व्यवस्था को चुनौती देना चाहती है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कटपुतली बन गई है और सत्ता के लिए विभिन्न संगठनों तथा देशविरोधी ताकतों का सहारा ले रही है। बीजेपी नेता चौहान ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के लिए उनके नेतृत्व को सीधे जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप



लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग को दोष देने के बजाय पार्टी को अपने नेतृत्व की कमजोरियों और आंतरिक कलह पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसकी समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस एआईएडिएएमके, बिहार में आरजेडी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा और जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फेंस पर निर्भर रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस कई राज्यों में छोटी सहयोगी पार्टी बनकर रह गई है।

